Rajkiya mahavidyalaya barkot ,uttarkashi(Course outcome & program outcome)

Department of Sanskrit

BA (SANSKRIT)

Programme Outcomes (POs)

PO1. शिक्षक

PO2. योगाचार्य

PO3. पाण्डुलिपि विशेषज्ञ

PO4. संस्कृत भाषाविद

PO5. अनुवादक

PO6. वास्तुशास्त्रज्ञ

PO7. मीडिया और जनसंचार के क्षेत्र में ज्योतिषाचार्य

PO8. आयुर्वेद मेडिकल के क्षेत्र में

Po10. ज्योतिषाचार्य

Course Outcomes (COs)

B.A. 1st Year

Course Name

प्रथम प्रश्न पत्र - सुगम पाठ, व्याकरण एवम् अनुवाद

Course Outcomes (COs)

Cos1. नीतिशतकम् में नीति से सम्बन्ति ज्ञान प्रदान किया गया।

Cos2. हितोपदेश- मित्रलाभ में छोटी-छोटी कथाओं से हितकारी उपदेश प्रदानकर सही शिक्षा से अवगत कराया गया है।

Cos3. लघुसिद्धान्तकौमुदी में पाणिनी व्याकरण के संज्ञा प्रकरण, सन्धि प्रकरण से अवगत कराया गया। छात्र- छात्राओं को व्याकरणके माध्यम से स्वर, व्यंजन सन्धि, विभक्ति, प्रकृति, प्रत्यय आदि का ज्ञान कराया जाता है जिससे छात्र-छात्राओं को संस्कृत व्याकरण की जानकारी हो सके।

Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

द्वितीय प्रश्न पत्र

नाटक अलंकार एवं छन्द

Cos1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक में दुष्यन्त एवं शकुन्तला का प्रणय कथा निबद्ध है जिसमें भारतीय संस्कृति के उच्च आदर्श की स्थापना स्थापित की गयी है।

Cos2. छन्द - अलंकार में छन्द एवं अलंकार का विस्तृत ज्ञान छात्र-छात्राओं को कराना है।

Cos3. नाट्य साहित्य का इतिहास के माध्यम से संस्कृत साहित्य के प्रमुख नाटककार एवं नाट्य तत्वों से छात्र-छात्राओं अवगत कराना जिससे संस्कृत साहित्य की महत्वपूर्ण जानकारी छात्र-छात्राओं को प्राप्त हो सके 1

Course Outcomes (COs)

B.A. 2nd Year

Course Name

प्रथम प्रश्न पत्र - गद्यकाव्य, प्राचीन एवं अर्वाचीन संस्कृत साहित्य का इतिहास

Course Outcomes (COS)

Cos1. संस्कृत गद्य साहित्य के शुकनासोपदेश ग्रन्थ में जीवन के आदर्शों, मूल्यों के माध्यम से मनुष्य को नश्वर सांसारिक माया-मोह एवं लालसा से उबरने की शिक्षा प्रदानकर उच्च आदर्श स्थापित किया गया है।

Cos2 शिवराविजय के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा तथा लम्बे संघर्षो तक विपरीत परिस्थिति में अडिग रहकर अपने देश की सुरक्षा प्रति जागरूक करना है। के

Cos3. प्राचीन संस्कृत साहित्य में संस्कृत साहित्य के प्रचीन कवियों के विषय की जानकारी के साथ-साथ महाकाव्यों का काव्यात्मक परिचय कराया गया। अर्वाचीन संस्कृत साहित्य के माध्यम से आधुनिक संस्कृत साहित्य के कवियों के परिचय के साथ-साथ उनके काव्यों में उल्लिखित महत्वपूर्ण मौलिक एवं शैक्षिक तत्वों से छात्र-छात्राओं को अवगत कराना।

द्वितीय प्रश्न पत्र

वेद एवं दर्शन

Cos1. ऋग्वेद में वेद में आये अग्निसूक्त, विष्णूसूक्त, पुरुषसुक्त में आये मंत्रों का ज्ञान प्राप्तकर वेदों के मूल तत्वों को स्थापित किया गया।

Cos2. व्यासकृत भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय में भगवान कृष्ण द्वारा अर्जुन को दिये गये उपदेशों के माध्यम से कर्मक्षेत्र की महत्ता की शिक्षा प्रदान की गयी

Cos3. तर्कसंग्रह में पदार्थों का विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुये दार्शनिक तत्वों को दशार्या गया।

Cos4. वैदिक साहित्य का इतिहास में वेदों के रचनाकाल से लेकर उनके उपनिषदों, आरण्यकों, बाह्मण आदि का गहन ज्ञान प्रदान किया गया जिससे छात्र-छात्राएं लाभान्वित हो सकें।

Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

B.A. 3rd Year

Course Name

प्रथम प्रश्न पत्र

(काव्यालोचन, योग, आयुर्वेद तथा वास्तु विज्ञान)

Cos1. साहित्यदर्पण (प्रथम परिच्छेद)

Cos2. पतंजलिकृत योगसूत्रम् (समाधिपाद 1 से 20 सूत्र मात्र)

Cos3. चरकसंहिता (षड्ऋतुचर्या मात्र)

Cos4.टोडरमल्लकृत वास्तुसौख्यम् (प्रथम तथा द्वितीय भाग मात्र)

द्वितीय प्रश्न पत्र

(उत्तराखण्ड का अर्वाचीन संस्कृत साहित्य, भारतीय संस्कृति एवं निबंध)

Cos1. पद्यकाव्य-

सदानन्द डबराल के नरनारायणीयम् महाकाव्य के प्रथम सर्ग से प्रथम 10 श्लोक,

शिवप्रसाद भारद्वाज के लौहपुरुषावदानम महाकाव्य के प्रथम सर्ग के प्रथम 10 श्लोक,

हरिनारायण दीक्षित के महाकाव्य भारतमाता ब्रूते के प्रथम सर्ग के प्रथम 10 श्लोक,

श्रीकृष्ण सेमवाल के वाग्वैभवम् के प्रथम 10 श्लोक,

राधेश्याम गंगवार के आहवानम् से अतिथिः एवं अभक्ष्यम्.

निरंजन मिश्र के वन्दे भारतम् के प्रथम 10 श्लोक तथा रामविनय सिंह की शाश्वती से तीन गीत भारतभूः गीतम् (कोमलम् सुममस्मि बन्धो !) एवं कोकिल

Cos2. कथाकाव्य-

वनमाली विस्वाल की नीरवस्वनः एवं चम्पी तथा प्रमोद भारतीय की सहपाठिनी एवं मलिनवसनम्

Cos3. नादृय- मथुरादत्त पाण्डेय का नारदमोहिनीयम्

Cos4. भारतीय संस्कृति :

भारतीय संस्कृति का स्वरूप, भारतीय संस्कृति की विशेषतायें, पंचमहायज्ञवर्ण व्यवस्था, आश्रम व्यवस्था, संस्कार, पुरुषार्थ

Cos5. संस्कृत में निबंध

Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya m... ...laya Barkot

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi